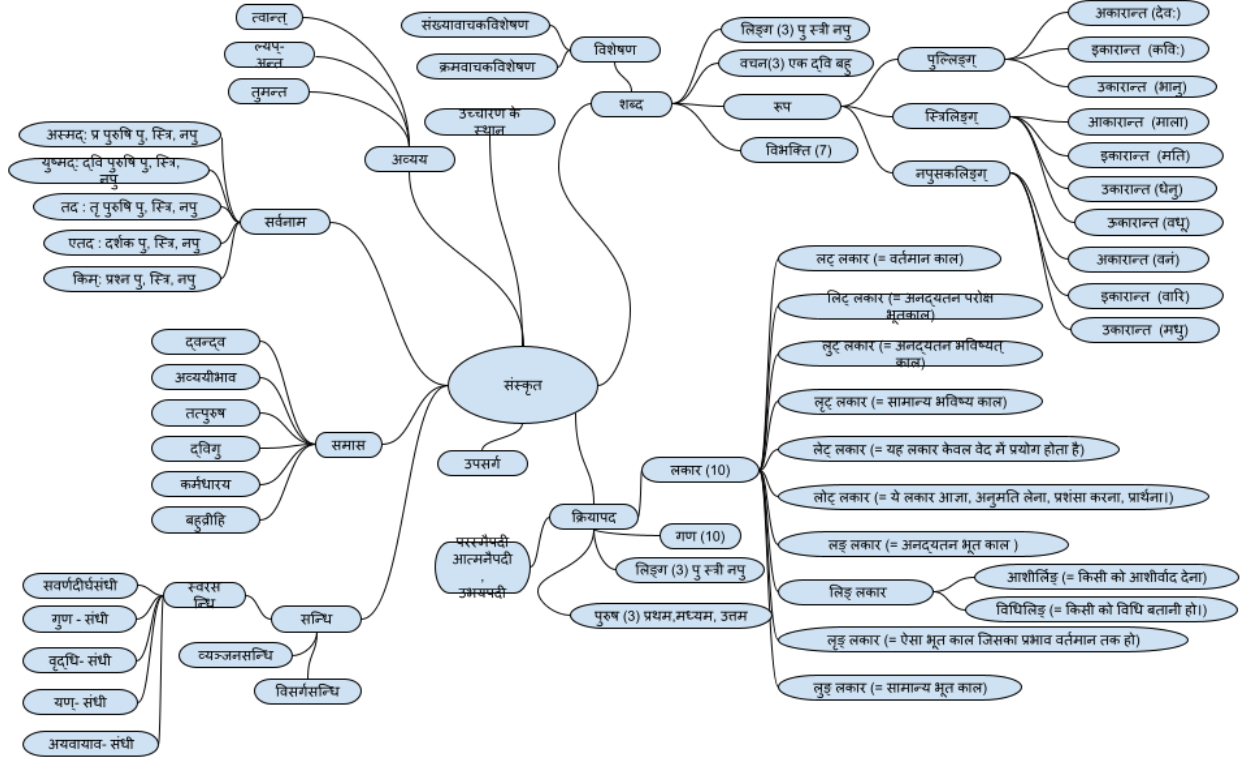


Sanskrit

MKCS Sem1 Course 1 Notes



उच्चारण के स्थान

शब्द

विशेषण

जो शब्द नाम /संज्ञा का वर्णन करता है, उसे विशेषण कहते हैं ।। विशेषण का लिंग, वचन और विभक्ती नाम के लिंग, वचन, विभक्ति के अनुसार होते हैं.

संख्यावाचकविशेषण

एक, द्वि, त्री, चतुर इन ४ संख्यावाचक विशेषण के विभक्ती पद उनके विशेष्योंके/नामोंके लिंग, वाचन, विभक्ती के अनुसार होते

क्रियापद

क्रियापद = धातु + विकरण प्रत्यय (गण) + प्रत्यय (?पदी, लकार, वाचन)

गण (10)

समूह १: १, ४, ६, १०

समूह २: २, ३, ५, ७, ८, ९

१ अ

४ य

६ अ

१० अय

उपसर्ग

उपसर्ग धातु से पहले लगते हैं

अति - अधिक

अधि - उपर

अनु - पीछे

अप - दूर, नीचे

अपि - आवरण घालणे

अभि - बाजू में

अव - नीचे

आ - विपरित

उत - उपर

उप - समीप

दुस/दूर - बुरा

नि - बाहेर

नीर/निस - अभाव

परा - उलटा

परी - आस पास

प्र - आगे

प्रति - पीछे

वि - विरुद्ध

सम् - एकत्र

सु - अच्छा

समास

दो या अधिक शब्द जोड़कर एक शब्द

सन्धि में वर्णों का मेल होता है। समास में पदों का

द्वन्द्व

इस समास के दोनों पद प्रधान होते हैं एवं एक दूसरे के विलोम होते हैं

अव्ययीभाव

इस समास में पहला पद अव्यय होने के साथ ही साथ प्रधान भी होता है। समास होने पर समस्त पद अव्यय बन जाता है तथा नपुंसकलिङ्ग में प्रयुक्त होता है

तत्पुरुष

उत्तर पद की प्रधानता होती है। इसके दोनों पदों में अलग-अलग विभक्तियाँ होती हैं। कहीं-कहीं पर दोनों पदों में समान विभक्ति भी होती है। ऐसी स्थिति में पूर्वपद की विभक्ति का लोप करके समस्त पद बनाया जाता है।

द्विगु

पूर्वपद संख्यावाचक विशेषण होता है तथा समस्त पद किसी समूह को बोध होता है

कर्मधारय

पूर्व पद तथा उत्तर पद के मध्य में विशेषण-विशेष्य का संबंध होता है

बहुव्रीहि

दोनों पद अप्रधान हों और समस्तपद के अर्थ के अतिरिक्त कोई सांकेतिक अर्थ प्रधान

सर्वनाम

अव्यय

सन्धि

सम् + धा - एकत्र करणे - पूर्वपद का अन्तिम वर्ण + उत्तरपद का पहिला वर्ण

स्वरसन्धि

सवर्णदीर्घसंधी

अ/आ + अ/आ = आ

इ/ई + इ/ई = ई

उ/ऊ + उ/ऊ = ऊ

गुण - संधी

अ/आ + इ/ई = ए

अ /आ + उ/ऊ = ओ
अ /आ + ऋ / ॠ = अर्

वृद्धि- संधी

अ/आ + ए/ऐ = ऐ
अ/आ + ओ /औ = औ

यण्- संधी

इ/ई + विजातिय स्वर = य्
उ/ऊ + विजातिय स्वर = व्
ऋ / ॠ + विजातिय स्वर = र्

अयवायाव- संधी

ए + स्वर = अय्
ऐ + स्वर = आय्
ओ + स्वर = अव्
औ + स्वर = आव्
ए/ओ + अ = ऽ

व्यञ्जनसन्धि

व्यञ्जन + व्यञ्जन

विसर्गसन्धि

विसर्ग (ः)